जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 45 संख्याः 132 प्रभात बीकानेर, गुरुवार 7 दिसम्बर, 2023 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के विरोध में राजपूतों समेत सर्व समाज के नेता और समर्थक बुधवार देर रात तक जयपुर में मानसरोवर स्थित मेट्रो मास अस्पताल के बाहर डटे रहे। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि हत्यारों का एनकाउन्टर किया जाए। बंद के दौरान जयपुर में दिन भर सन्नाटा पसरा रहा। कई जगह उग्र प्रदर्शनकारी और पुलिस जाप्ता ही दिखा।

जयपुर में सड़कों पर दिनभर सन्नाटा रहा, कर्फ्यू जैसा माहौल दिखा

लंबे समय बाद 'जयपुर बंद' का ऐसा व्यापक असर देखने को मिला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 6 दिसम्बर । श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के विरोध में बुधवार को आहूत "राजस्थान बंद" का राजधानी जयपुर में व्यापक असर रहा। जयपुर परकोटे समेत शहर के तमाम बाजार, निजी दफ्तर और स्कूल बंद रहे। निजी बसो का संचालन भी नहीं हुआ। लंबे समय बाद जयपुर में किसी बंद का इतना व्यापक असर देखने को मिला। परकोटे से लेकर बाहरी बाजारों में दिनभर सन्नाटा पसरा रहा।

- **श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड के कारण उग्र राजपूत समाज सड़कों पर उतरा।**
- **सर्व समाज के समर्थन से जयपुर में तमाम बाजार, निजी स्कूल और ऑफिस बंद रहे, कर्फ्यू जैसा माहौल दिखा।**
- **200 फीट बाईपास, सीकर रोड, पांच बत्ती और खातीपुरा तिराहे समेत कई जगहों पर बीच सड़क पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया गया।**

सुबह 11 बजे करणी सेना से जुड़े लोग और समर्थक राजपूत हॉस्टल, सिंधी कैम्प एकत्रित हुए। यहां से बड़ी संख्या में लोग परकोटे के बाजारों में पहुंचे। हालांकि, परकोटा के व्यापारियों ने बंद का समर्थन करते हुए सुबह बाजार खोले ही नहीं थे। करणी सेना समर्थकों ने विभिन्न बाजारों में पैदल मार्च कर सुखदेव सिंह के हत्यारों का एनकाउन्टर करने या उन्हें फांसी देने की मांग की।

बंद के दौरान झोटवाड़ा, विद्याधर नगर से लेकर खातीपुरा, पांच्यावाला और सांगानेर में बंद के दौरान लोगों ने प्रदर्शन भी किया। कालवाड़ रोड, सिरसी रोड पर पांच्यावाला गई। पुलिया के दोनों ओर वाहनों की आवाजाही रोक दी। यहां तक कि दिल्ली-अजमेर 200 फुट बायपास पर भी यातायात प्रभावित रहा। सीकर रोड पर बीच सड़क पर टायरों में आग लगाकर प्रदर्शन किया। इस दौरान बसों की आवाजाही थमने से कई यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

संघर्ष समिति के जयपुर बंद आव्हान के बाद अधिकतर स्कूलों में छुट्टी कर दी गई। इसके अलावा निजी दफ्तरों में भी बहुत कम लोग पहुंचे। दोपहर बाद ज्यादातर निजी कार्यालयों में भी अवकाश कर दिया गया।

ज्ञातव्य है कि सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की उनके श्याम नगर स्थित घर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ADMISSION CLOSING SOON
B.A.-LL.B.
BIYANI LAW COLLEGE (Co-Ed.)
Affiliated to Dr. Bhimrao Ambedkar Law University, Jaipur
Helpline : +91-7737823249

JOB/VACANCY
MARKETING EXECUTIVE
TELECALLER (F)
ACCOUNTANT
OFFICE BOY
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
JAIPUR
9352107080

राजपूत समाज का आंदोलन खत्म, मांगों पर सहमति

जयपुर, 6 दिसम्बर। जयपुर में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के विरोध में चल रहा प्रदर्शन बुधवार देर रात खत्म हो गया। पुलिस प्रशासन और राजपूत समाज के लोगों के बीच कई मांगों पर सहमति बनने के बाद प्रदर्शन खत्म कर दिया गया। राजपूत समाज की प्रमुख मांगे थी श्याम नगर एस.एच.ओ. मनीष यादव तथा बीट प्रभारी व बीट कांस्टेबल को निलम्बित किया जाए और हत्यारों को 72 घंटे में गिरफ्तार किया जाए। इसके बाद गोगामेड़ी की पत्नी शीला राठौड़ ने आंदोलन समाप्त करने की घोषणा की।

पुलिस अधीक्षक बजरंग सिंह शेखावत ने बताया कि देर रात को सुखदेव गोगामेड़ी की पत्नी शीला राठौड़, चचेरा भाई श्रवण, राजपूत सभा, जयपुर अध्यक्ष रामसिंह चंदलाई, विधायक मनोज न्यांगली, राजेन्द्र गुढ़ा, महिपाल मकराना और राजपूत समाज के प्रतिनिधियों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वेणुगोपाल ने राजस्थान कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की बैठक आहूत की

बैठक ए.आई.सी.सी. मुख्यालय में आयोजित की गयी है तथा वरिष्ठ नेता इस बात पर बातचीत करेंगे कि, राजस्थान के विधानसभा चुनावों में इतनी बड़ी हार क्यों हुई और इस हार के लिये कौन जिम्मेवार है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर। राजस्थान में मिली चुनावी हार की समीक्षा के लिए कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने 9 दिसम्बर को ए.आई.सी.सी. मुख्यालय में बैठक बुलाई है, जिसमें वरिष्ठ पार्टी नेताओं को बुलाया गया है कि वे बताएं कि कहां गलती हुई और सबसे बड़ी बात यह है कि हार के लिए कौन जिम्मेवार है। वरिष्ठ नेता इसमें अपने विचार व्यक्त करेंगे।

जिन नेताओं को बुलाया गया है उसमें स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य, पर्यवेक्षक, प्रदेश चुनाव समिति के सदस्य वरिष्ठ नेता आदि शामिल है। संभावना है कि राहुल इसमें शामिल नहीं होंगे वे 8 दिसम्बर को विदेश दौरे पर जा रहे हैं। मीटिंग में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के मौजूद रहने की उम्मीद है।

- **इस मंथन के निष्कर्षों का अध्ययन करके यह निर्णय लिया जायेगा कि, विधानसभा में विपक्ष का नेता कौन होगा।**
- **विपक्ष के नेता के साथ नये प्रदेशाध्यक्ष की नियुक्ति का प्रश्न भी जुड़ा हुआ है।**
- **बैठक में राजस्थान के प्रभारी से सवाल जवाब किये जायेंगे कि, जब राजस्थान में राजनीतिक स्थिति कांग्रेस की दृष्टि से गड़बड़ा रही थी, तो उन्होंने स्थिति दुरूस्त करने के लिये क्या-क्या कदम उठाये।**
- **राहुल गांधी वरिष्ठ कांग्रेस जन की इस बैठक में मौजूद नहीं होंगे, क्योंकि वे आठ दिसम्बर को विदेश यात्रा पर जा रहे हैं, परन्तु कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इस बैठक में जरूर भाग लेंगे।**

मीटिंग में चर्चा के बाद पार्टी तय करेगी कि राजस्थान में कांग्रेस विधायक दल का नया नेता कौन होगा। इसी के साथ प्रदेश कांग्रेस कमेटी में बदलाव की संभावना भी है। मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की छाया माना जाता है।

ए.आई.सी.सी. महासचिव रंधावा ने अभी तक त्याग पत्र नहीं दिया है और कई नेता उन पर सवालों की बौछार करेंगे। राजस्थान के चुनावों की ईमानदार समीक्षा से सही मायने में पता लगेगा कि गत 5 साल में राजस्थान में पार्टी और सरकार क्या कर रही थी।

सूत्रों का कहना है कि मीटिंग के बाद कांग्रेस विधायक दल के नेता की घोषणा भी की जाएगी।

राजस्थान में पर्यवेक्षक भेजने का निर्णय लिया भाजपा ने

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे बुधवार रात दिल्ली के लिए रवाना हुई। इधर दिल्ली में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह व भाजपा अध्यक्ष जे.पी.नड्डा ने राजस्थान में नए मुख्यमंत्री के चयन को लेकर बैठक और पर्यवेक्षक भेजने का निर्णय लिया ये पर्यवेक्षक गुरुवार को आएंगे और नए मुख्यमंत्री के चयन के सम्बंध में जानकारी देंगे।

- **ये पर्यवेक्षक ही नए मुख्यमंत्री के चयन संबंधी घोषणा करेंगे।**

राजस्थान से चुनाव जीते तीन सांसदों दिया कुमारी, किरोड़ी लाल मीणा, राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। चौथे सांसद बालकनाथ भी जल्दी ही इस्तीफा दे सकते हैं। पता चला है कि पोकरण विधायक प्रताप पुरी भी दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं।

हिन्दी बैनर के जिन तीन राज्यों में भाजपा चुनाव है वहां मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इस पर काफी अटकलें है पर गृहमंत्री अमित शाह ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

कांग्रेस आलाकमान गहलोत को राजस्थान से बाहर भेजने की तैयारी में

कांग्रेस के उच्च स्तरीय सूत्रों ने संकेत दिया कि, पार्टी अध्यक्ष खड़गे और राहुल गांधी ऐसा चाहते हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर। अब यह लगातार सुनिश्चित होता जा रहा है कि राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को राज्य से बाहर जाकर केन्द्रीय स्तर पर कोई भूमिका निभानी होगी। कांग्रेस के शीर्ष सूत्र ने आज ऐसे संकेत दिए।

पार्टी हाईकमान, खासतौर पर कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी की यह राय है कि हार की जिम्मेदारी तय करनी होगी अन्यथा पार्टी कार्यकर्ताओं में एक गलत मैसेज जाएगा। एक नेता ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर बताया कि गहलोत को यह ज्ञात होना चाहिए कि सत्ता में बने रहने की उनकी तिकड़मों की पहले भी अनदेखी की गई लेकिन हर चीज़ की कोई हद होती है।"

पार्टी हाईकमान का यह मानना है कि गहलोत यदि चालें नहीं चलते और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के साथ शुद्ध मन से बनाकर चलते तो वह विधानसभा चुनाव आसानी से जीत चुके होते।

- **सूत्रों ने बताया कि, खड़गे व राहुल का मत है कि, हार की जिम्मेवारी तय की जानी चाहिए वरना गलत संदेश जाएगा।**
- **एक नेता ने बताया कि, आलाकमान की राय है कि, अगर अशोक गहलोत चालबाजी नहीं करते और सचिन पायलट को साथ लेकर चलते तो पार्टी आसानी से चुनाव जीत जाती।**
- **पार्टी हाई कमान गत वर्ष सितम्बर में हुई गहलोत समर्थक विधायकों की बगावत व इसमें गहलोत की भूमिका को भूला नहीं है।**

एक अन्य नेता ने कहा कि उम्मीद की जाती है कि संकट की इस घड़ी में गहलोत राजस्थान में खींचतान करने के बजाए शालीनता से पार्टी का सहयोग करेंगे। हम आशा करते हैं कि गहलोत ऐसा कोई कदम नहीं उठाएँगे जिससे पार्टी की छवि खराब होती हो। अब उन्हें पार्टी की विचारधारा और मूल्यों के प्रति अपनी निष्ठा का प्रदर्शन करते हुए आगामी लोकसभा चुनावों में अपनी पार्टी के प्रत्याशियों की जीत में एक सकारात्मक योगदान देंगे।

नेता ने बताया कि पार्टी हाईकमान पिछले वर्ष की उनकी भूमिका को अभी तक नहीं भूला है जब कांग्रेस विधायक दल की मीटिंग इसलिए नहीं हो सकी थी कि गहलोत समर्थक विधायक उसमें उपस्थित नहीं हुए थे।

नेता ने कहा कि गहलोत पार्टी को नुकसान नहीं पहुंचाकर यदि सकारात्मक रवैया अपनाते हैं तो इसमें उन्हीं का दीर्घकालीन हित होगा। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी हाईकमान अब रिस्क लेने को तैयार है। चूंकि कांग्रेस के निर्वाचित विधायकों ने विपक्ष का नेता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जम्मू कश्मीर विधानसभा की 16 सीटें आरक्षित

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर। लोकसभा में बुधवार को दो विधेयक पारित किए गए। एक तो जम्मू एवं कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक और दूसरा जम्मू-कश्मीर आरक्षण विधेयक। इनके अन्तर्गत जम्मू एवं कश्मीर विधान परिषद में विधायकों की संख्या 83 से बढ़ाकर 90 की गई है, जिनमें अनुसूचित जाति की 7

- **केन्द्र सरकार ने लोकसभा में जम्मू कश्मीर पुनर्गठन बिल एवं जम्मू कश्मीर आरक्षण बिल पारित किया, अब 90 सदस्यीय राज्य विधानसभा में 9 सीटें एस.टी. व 7 सीटें एस.सी. वर्ग के लिए आरक्षित की गईं हैं।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या रैवन्त रेड्डी दिव्यांग रजनी को नौकरी देने का वादा निभाएंगे?

तेलंगाना के राजनैतिक हलकों में यही सवाल पूछा जा रहा है, सभी को शपथ ग्रहण का इंतजार है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर। यह एक दिव्यांग नारी (छोटे कद की) लड़की की कहानी है। वह पोस्ट ग्रेज्यूएट है और पिछले एक दशक से नौकरी पाने के लिए चक्कर काट रही है। चाहे सरकारी हो या प्राइवेट सैक्टर, उनका छोटा कद नौकरी की राह में रोड़ा बन जाता था। लेकिन उनकी सहनशक्ति, दृढ़ता, कड़ी मेहनत और अलग सोच ने उन्हें एक नई राह तब दिखाई जब तेलंगाना में मुख्यमंत्री पद के लिए नामित रैवन्त रेड्डी ने उन्हें नौकरी देने का वादा किया। रेड्डी की दो महीने पहले एक प्रैस कॉन्फ्रैंस में रजनी से मुलाकात हुई थी।

प्रैस से मिलिए कार्यक्रम गत 17 अक्टूबर को आयोजित किया गया था। तेलंगाना के मीडिया कर्मियों को जब रजनी की परेशानी के बारे में पता चला तो वे उसे प्रैस से मिलिए कार्यक्रम में अपने साथ लेकर आ गए जिसे तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रैवन्त रेड्डी संबोधित करने वाले थे। तेलंगाना में कांग्रेस को नए सिरे से खड़ा करने वाले तेज तर्रार नेता रैवन्त ने यह सिद्ध कर दिया की उनके भीतर एक संवेदनशील मन है। उन्होंने उसी समय रजनी को नौकरी देने का वादा किया और घोषणा की कि वह यदि तेलंगाना के मुख्यमंत्री बन गए तो उनके द्वारा दी जाने वाली यह पहली नौकरी होगी।

अब जीत के बाद सरकार के गठन में कई कारकों में संतुलन बनाना है। इसलिए रैवन्त रेड्डी ने दिव्यांग रजनी को याद किया।

और क्यों नहीं? आखिर रैवन्त रेड्डी ने 38 वर्षीया रजनी से एक लिखित एवं हस्ताक्षर युक्त वादा किया था। वह अपने बूढ़े माता-पिता के साथ नैमपल्ली के बोईगुडा में रहती है। उन्होंने नैमपल्ली के कॉलेज से स्नातक किया और दूरस्थ शिक्षा से कॉमर्स में स्नातकोत्तर डिग्री ली। लेकिन अपने बौने शरीर के कारण सरकारी और प्राइवेट नौकरियां ढूंढने के उनके प्रयास निरर्थक रहे।

रैवन्त रेड्डी ने भी अपना वादा नहीं भूला और अपने आदमियों को निर्देश दिए कि वे गुरुवार 7 दिसम्बर को लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए रजनी को आमंत्रित करे। रजनी ने मीडिया से इस बात की पुष्टि की कि उन्हें एक विशेष अतिथि के रुप में शपथ ग्रहण समारोह में बुलाया गया है। जो प्रबंध किए गए हैं, उन्हें देखते हुए कांग्रेस पार्टी को उम्मीद है कि शपथ ग्रहण समारोह में करीब एक लाख लोग उपस्थित रहेंगे। संयोगवश, शपथ ग्रहण समारोह के अधिकारिक रुप से सम्पन्न हो जाने के बाद वही स्थल तक सार्वजनिक राजनीति रैली में तब्दील हो जाएगा, जिसमें कांग्रेस मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी के तेलंगाना की जनता को धन्यवाद अदा करने की उम्मीद है। स्मरण रहे कि रैवन्त रेड्डी ने चुनाव प्रचार के दौरान ही घोषणा की थी कि

- **रैवन्त रेड्डी 7 दिसम्बर को होने शपथ ग्रहण कार्यक्रम के लिए रजनी को विशेष रूप से निमंत्रण भेजा है, इससे यह तो स्पष्ट है रैवन्त रेड्डी ना दिव्यांग रजनी को भूले हैं, ना उससे किए वादे को।**
- **चुनाव प्रचार के दौरान एक प्रैस कॉन्फ्रैंस में पत्रकारों ने रजनी को रैवन्त रेड्डी से मिलवाया था। दिव्यांग व नाटे कद की रजनी उच्च शिक्षित है पर उसे छोटे कद की वजह से कहीं नौकरी नहीं मिली, वह अपने बूढ़े माता-पिता का एकमात्र सहारा है।**
- **रजनी की कहानी सुनकर भावुक हुए रैवन्त ने कहा था कि, चुनाव जीतने के बाद वे पहली नियुक्ति रजनी को ही देंगे। उन्होंने इसका लिखित वायदा किया व हस्ताक्षर भी किये थे।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तीनों राज्यों में नया मुख्यमंत्री देगी भाजपा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के हाल ही सम्पन्न विधानसभा चुनावों के बाद वहां नए चेहरों को मुख्यमंत्री बनाने की योजना बना रही है। पार्टी सूत्रों ने किसी भी नाम का संकेत दिए बिना बुधवार को यह दावा किया।

- **पार्टी सूत्रों ने यह दावा किया हालांकि किसी नाम का संकेत नहीं दिया गया है।**

मध्य प्रदेश की नरसिंहपुर विधानसभा सीट से चुनाव जीते एवं निवर्तमान केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल (63) ने कहा कि उन्होंने भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा से मुलाकात के बाद लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है और वह जल्द ही केन्द्रीय मंत्रिमण्डल से भी त्याग पत्र दे देंगे। लोधी जाति के नेता के रूप

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)